



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 428] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 18, 1975/आश्विन 26, 1897

No. 428] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 18, 1975/ASVINA 26, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

CORRIGENDA

INCOME-TAX

New Delhi, the 18th October 1975

" S.O. 604(E).—In the notification of the Central Board of Direct Taxes No. S.O. 291(E), dated the 14th May, 1974, published at pages 879 to 883 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II—Section 3—Sub-section (ii), dated the 14th May, 1974,—

(1) at page 879,—

- (i) in line 4, for "May 1974", read "May, 1974.";
- (ii) in line 5, for "Act", read "Act.";

(2) at page 880, at the end of the Table, insert " " ;

(3) at page 881,—

- (i) in line 3 of item 2 as substituted, after "income-tax", insert " " ;
- (ii) at the end of the second Table, insert " " ;

(4) at page 882,—

- (i) in line 7, for "After", read "after";
- (ii) in line 9, for "In part", read "in Part";
- (iii) in line 11, for "Commission", read "commission";

(5) at page 883,—

- (i) in line 3, for "shal", read "shall";
- (ii) in line 7, for "After", read "after";
- (iii) in line 9, after "part II", insert " " ;
- (iv) in line 1 of S. No. 5 of the Table, for "unregistered", read "unregistered".

[No. 1132/F. No. 142(24)/73-TPL]

O. P. BHARDWAJ, Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 1975

का० आ० 605 (अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 14 मई, 1974 में पृष्ठ 884 से 890 तक में प्रकाशित केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड की अधिसूचना संख्या का० आ० 291 (अ) में,

1. पृष्ठ 884 पर, 5वीं पंक्ति में, अन्त में '61' के स्थान पर '1961' पढ़ें ;
2. पृष्ठ 884 पर, 11वीं पंक्ति में '7' के स्थान पर '1' पढ़ें ;
3. पृष्ठ 888 पर, चौथी पंक्ति में दो स्थानों पर मुद्रित 'पुनरीक्षित' शब्द के स्थान पर 'पुनराक्षरित' पढ़ें ; इसी पृष्ठ पर, बाईसवीं पंक्ति में 'स' 'घी' के स्थान पर 'संबंधी' पढ़ें ;
4. पृष्ठ 889 पर, अट्ठाइसवीं पंक्ति में 'वासगृह' के स्थान पर 'निवासगृह' पढ़ें ।

[सं० 1133/फा० सं० 142(24)/73-टी०पी०एल०]

ओ० पी० भारद्वाज, सचिव ।